विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- तृतीय, विषय- हिंदी

दिनांक -28-06-2021 एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

पाठ- 7 नर हो न निराश (कविता)

सुप्रभात बच्चों,

कुछ काम करो, कुछ काम करो,

जग में रहकर कुछ नाम करो।

यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो,

समझो जिसमें यह व्यर्थ ना हो।

कुछ तो उपयुक्त करो तन को,

नर हो ,न निराश करो मन को।

प्रभु ने तुझको कर दान किए,

सब वांछित वस्तु विधान किए।

तुम प्राप्त करो उनको ना अहो,

फिर है किसका यह दोष कहो।

समझो न अलम्य किसी धन को

नर हो, न निराश करो मन को।

गृहकार्य-

दिए, गए कविता याद करें।